मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्थापित होगी योग पीठ

योग को शिक्षा से जोड़ बदल सकते युवा का भविष्य

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

गंगरार स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय में सोमवार को पेटिंग का प्रदर्शन करतीं प्रतिभाएं।

चित्तौड़गढ़/ गंगरार. भारत दुनिया में योग का विश्व गुरू है। हमे योग को शिविरों से निकाल स्कूल-कॉलेजों में पहुंचाना होगा। छात्र नियमित योग कर जो एनर्जी हासिल करेंगे वो देश का भविष्य बदल सकता है। ये बात दिव्य भारत निर्माण ट्रस्ट के स्वामी महेश योगी ने सोमवार दोपहर मेवाड़ विश्वविद्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कही। एक दिन पूर्व ही एक मिनट में 21 बार सूर्य नमस्कार, 21 हजार चित्रों की प्रदर्शनी एवं अनवरत एक मिनट में साठ स्टेप योग का प्रदर्शन करवा विश्व रिकॉर्ड बनवाने वाले योगी ने कहा कि योग भारतीय गुरूकुल प्रद्धति का अहम अंग रहा और आज पूरी दुनिया इसका महत्व स्वीकार कर रही है। उन्होंने 21 हजार चित्रों की प्रदर्शनी लगाने का रिकॉर्ड बनने की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति को जीवित रखने में चित्रकारों ने अहम भूमिका निभाई है। जीवन व प्रकृति के अलग-अलग रंगों से परिचय कराने इन चित्रों में से 8 हजार चित्र स्वयं महेश योगी ने तैयार किए तो शेष चित्र दो वर्ष में उनके 13 विद्यार्थियों नें तैयार किए थे। विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन डॉ. अशोक गदिया ने स्वामी महेश योगी द्वारा योग व चित्रकला के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यो को सराहनीय बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में योग पीठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी। यहां कोई भी व्यक्ति योग में अलग-अलग अवधि के प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, डिग्री के कोर्स कर सकेगा।

विश्वविद्यालय में पढ़ने वाला विद्यार्थी भी नियमित कोर्स के साथ योग का कोई एक कोर्स अवश्य करे ये प्रयास रहेगा। इस मौके पर योग विभाग की चित्रलेखा, विश्वविद्यालय के हरीश गुरनानी आदि प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

चित्तौड़ की भूमि पर बनना था रिकॉर्ड

स्वामी महेश योगी ने तीन विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए चित्तौड़ जिले के मेवाड़ विश्वविद्यालय का चयन करने सम्बन्धी सवाल पर कहा कि ये रिकॉर्ड पहले नवबंर में उत्तरप्रदेश में बनना तय थे लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की व्यस्तता से समय तय नहीं हो पाया। इस बीच विश्वविद्यालय में योग विभाग संभाल रही चित्रलेखा ने उन्हें यहां आने का निमंत्रण दिया तो मेवाड़ की वीरधरा उन्हें आने से रोक नहीं पाई। उन्होंने कहा कि ये रिकॉर्ड शायद चित्तौड़ की भूमि पर ही बनने थे।

पेंटिंग के माध्यम से प्रतिभा की झलक

विश्वविद्यालय में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली 21 हजार पेंटिग का प्रदर्शन सोमवार को भी जारी रहा। इन पेंटिग का निर्माण उन बच्चों ने किया जो गांव के गरीब परिवार से आए थे लेकिन प्रतिभा में किसी से कम नहीं थे। दिव्यांग छात्रा ने भी पेंटिग के माध्यम सृजनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।

मेवाड विश्वविद्यालय के सभी संकायों में योग शिक्षा अनिवार्य होगी : डॉ. गदिया

चित्तौड़गढ़ (प्रात:काल संवाददाता)। मेवाड़ विश्वविद्यालय के सभी संकायों को योग षिक्षा से जोड़ा जायेगा । योग षिक्षा से विद्यार्थियों में नई उर्जा का संचार होगा जिससे स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास करता है के भाव को चारितार्थ होगा। यह बात विश्वविद्यालय के चांसलर अषोक कुमार गदिया तथा दिव्य भारत निर्माण ट्रस्ट, अयोध्या के संस्थापक स्वामी महेष योगी ने प्रेस कोन्फ्रेस के दौरान कही। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. अषोक गदिया ने बताया कि योग षिक्षा में डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोश्रर, एफ फिल एवं पी. एच. डी. तक की षिक्षा प्रदान की जायेगी। इस दौरान उन्होने योग षिक्षा के विभाग की स्थापना करने के लिए 5 लाख रूपये देने की स्वीकृति प्रदान की तथा साथ ही 1 लाख 21 हजार रूपये प्रति वर्ष ट्रस्ट में एवं गरीब छात्र-छात्राओं के विकास एवं षिक्षा हेतु देने की घोषणा की। उन्होनें बताया कि सभी संकायो में योग षिक्षा को अनिवार्य षिक्षा के रूप में जोड़ा जायेगा जिसके तहत अल्प अवधि के सर्टिफिकिट कोर्स न केवल विष्वविद्यालय के विद्यार्थियों वरन आम जन एवं बाहर के इच्छुक विद्यार्थियों हेतु प्रस्तावित किये जायेगें। स्वामी महेष योगी ने बताया कि योग षिक्षा के मेवाड़ क्षेत्र में प्रोत्साहन हेतु दिव्य भारत निर्माण ट्रस्ट की तरफ से हर सम्भव प्रयास किये जाएंगे जिससे इस इस श्रेत्र में हमारी राष्ट्र के रूप में पुरानी पहचान को पुन: स्थापित किया जा सके। विश्वविद्यालय में प्रदर्शित 21 हजार पेन्टिंग्स की थीम 'दिव्य भारत, स्वस्थ भारत' का निर्माण 13 विद्यार्थियों द्वारा 2 वर्ष में पूर्ण किया गया। इस दौरान फाईन आर्ट की प्रो. डॉ चित्र लेखा सिंह, डारेक्टर हरीश गुरनानी, ओ.एस.डी एच विधानी, नरेन्द्र कोठारी एवं ट्रस्ट पदाधिकारी, विद्यार्थी एवं समाचार जगत के विभिन्न पत्रकार उपस्थित थे।